अनुबंध 1

बैंक का नाम: _____

'प्रस्तावित निदेशक/प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी/ मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा 'घोषणा और वचनपत्र '

(उपयुक्त संलग्नकों के साथ)

<table>
<tr><th>क्र सं</th><th>विवरण</th><th>प्रकट की गई जानकारी</th></tr>
<tr><td colspan="3">I. वैयक्तिक विवरण</td></tr>
<tr><td>1.</td><td>पूरा नाम</td><td><table><tr><td>प्रथम नाम</td><td>मध्य नाम</td><td>अंतिम नाम</td></tr><tr><td></td><td></td><td></td></tr></table></td></tr>
<tr><td>2.</td><td>पिता का नाम</td><td></td></tr>
<tr><td>3.</td><td>लिंग (महिला/पुरुष/अन्य)</td><td></td></tr>
<tr><td>4.</td><td>वर्तमान पता</td><td></td></tr>
<tr><td>5.</td><td>ई-मेल पता & वैकल्पिक ई-मेल पता:
एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नंबर:
मोबाइल नंबर:</td><td></td></tr>
<tr><td>6.</td><td>राष्ट्रीयता</td><td></td></tr>
<tr><td>7.</td><td>जन्म तिथि (dd/mm/yyyy) और आयु</td><td>- - / - - / - - - - आयु : - - वर्ष - - महीने</td></tr>
<tr><td>8.</td><td>शैक्षणिक योग्यता</td><td></td></tr>
<tr><td>9.</td><td>निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन)</td><td></td></tr>
<tr><td>10.</td><td>आधार संख्या (वैकल्पिक)</td><td></td></tr>
<tr><td>11.</td><td>(a) स्थायी खाता संख्या (पैन)
(b)प्रभार जहां प्रस्तावित निदेशक पर कर लगाया जाता है (आयकर क्षेत्राधिकार)/आयकर सर्किल/वार्ड का नाम और पता
(c)पिछले 3 वर्षों के रिटर्न दाखिल करने और करों के भुगतान का विवरण</td><td><table><tr><td>दाखिल करने की तिथि</td><td>भुगतान किए गए टैक्स की राशि (आईएनआर)</td></tr><tr><td></td><td></td></tr><tr><td></td><td></td></tr><tr><td></td><td></td></tr></table></td></tr>
<tr><td>12.</td><td>स्थायी पता</td><td></td></tr>
</table>

क्र सं	विवरण	प्रकट की गई जानकारी
13.	लेखाशास्त्र, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था, बैंकिंग, सहकारिता, अर्थशास्त्र, वित्त, विधि, लघु उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, भुगतान और निपटान प्रणाली, मानव संसाधन, जोखिम प्रबंधन, व्यवसाय प्रबंधन अथवा किसी अन्य मामले में से एक अथवा अधिक मामलों के संबंध में प्रासंगिक ज्ञान अथवा अनुभव पर संक्षिप्त विवरण के रूप में विवरण, जिसका विशेष ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव भारतीय रिज़र्व बैंक की राय में बैंकिंग कंपनी के लिए उपयोगी होगा।	
14.	वर्तमान व्यवसाय (पदनाम, संगठन का नाम और अनुभव पर संक्षिप्त विवरण)	
15.	पिछले दस वर्षों का न्यूनतम अनुभव, जिसमें कार्य किए गए संगठन का पूरा पता, कार्यभार ग्रहण करने की तिथि, कार्यमुक्त होने की तिथि (कारण सहित), पदनाम आदि शामिल हैं।	
16.	यदि आप चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं तो निम्नलिखित का उल्लेख करें: (a) इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की सदस्यता संख्या : (b) आईसीएआई के साथ पंजीकरण की तिथि: (c) पंजीकृत फर्म/फर्मों का नाम और पता: (d) फर्म (फर्मों) अथवा आपके द्वारा वर्तमान में की गई लेखा परीक्षा(ओं) का विवरण:	

<table>
<tr><th>क्र सं</th><th>विवरण</th><th>प्रकट की गई जानकारी</th></tr>
<tr><td>17.</td><td>उस बैंकर का नाम, शाखा और खाता संख्या (बचत/चालू/ऋण खाते) सहित, जहां आप प्राथमिक खाताधारक हैं:</td><td><table><tr><th>बैंक का नाम</th><th>शाखा</th><th>खाते का प्रकार</th><th>खाता संख्या</th></tr><tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr></table></td></tr>
<tr><td>18.</td><td>यदि आपके, आपके पति/पत्नी और आपके नाबालिग बच्चे के पास किसी भी संस्था में भौतिक अथवा अभौतिक (प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष) रूप में शेयरधारिता है, तो उसका विवरण।
(डीमैट/शेयरधारिता प्रमाणपत्र संलग्न करें)</td><td></td></tr>
<tr><td>19.</td><td>बैंक के निदेशक से संबंधित कोई अन्य जानकारी:</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">II. प्रस्तावित निदेशक के सुसंगत संबंध</td></tr>
<tr><td>20.</td><td>रिश्तेदारों की सूची, [कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(77) और कंपनी (परिभाषा विनिर्देशन) नियम, 2014 के नियम 4 का संदर्भ लें] यदि कोई हो, जो किसी भी बैंक से जुड़े हुए हैं:</td><td></td></tr>
<tr><td>21.</td><td>उन संस्थाओं की सूची जिनमें:
(a) हितबद्ध [कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 184 देखें]:
(b) लाभकारी स्वामित्व [कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 89 और एमसीए के लागू महत्वपूर्ण लाभकारी स्वामित्व नियम देखें]:
(c) न्यासी (न्यास के संदर्भ में किसी अन्य संबंध का भी उल्लेख करें):</td><td></td></tr>
</table>

क्र सं	विवरण	प्रकट की गई जानकारी	
22.	बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 5(एनई)[1] के अर्थ के अंतर्गत पर्याप्त हित रखने वाली विद्यमान और प्रस्तावित संस्थाओं की सूची।	*कंपनी/फर्म का नाम*	
		इसके निगमन का देश	
		शेयरों की संख्या	
		प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य	
		शेयर धारिता का कुल अंकित मूल्य	
		कुल चुकता पूंजी के % के रूप में शेयरधारिता	
		लाभकारी ब्याज (मूल्य के साथ-साथ % के संदर्भ में)	
		क्या इकाई कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत धारा 8 कंपनी है	
23.	विदेश में निगमित तथा भारत में व्यवसाय स्थान रखने वाली संस्थाओं में धारिता का विवरण।		
24.	बैंक/एनबीएफसी/किसी अन्य कंपनी का नाम जिसमें वर्तमान में अथवा पूर्व में बोर्ड का सदस्य/परामर्शदाता आदि रहा हो (उस अवधि का विवरण दें जिसके दौरान ऐसा पद धारण किया गया हो)।		
25.	यदि किराया खरीद, वित्तपोषण, निवेश, पट्टे और अन्य पैरा बैंकिंग गतिविधियों (संबद्धता की प्रकृति का उल्लेख किया जाए) में संलग्न किसी इकाई से संबद्ध हैं, तो उसका विवरण।		

[1] *"पर्याप्त हित" (i) किसी कंपनी के संबंध में, इसका अर्थ है किसी व्यक्ति अथवा उसके पति/पत्नी अथवा नाबालिग बच्चे द्वारा, चाहे अकेले अथवा सामूहिक रूप से, उसके शेयरों में लाभकारी हित धारण करना, जिस पर चुकता राशि पाँच लाख रुपये अथवा कंपनी की चुकता पूंजी के दस प्रतिशत से अधिक हो, जो भी कम हो; (ii) किसी फर्म के संबंध में, इसका अर्थ है किसी व्यक्ति अथवा उसके पति/पत्नी अथवा नाबालिग बच्चे द्वारा, चाहे अकेले या सामूहिक रूप से, उसमें धारित लाभकारी हित, जो उक्त फर्म के सभी भागीदारों द्वारा अभिदत्त कुल पूंजी के दस प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है।*

क्र सं	विवरण	प्रकट की गई जानकारी
26.	यदि आप स्टॉक ब्रोकर हैं अथवा शेयर ब्रोकिंग गतिविधियों में संलग्न किसी संस्था से जुड़े हैं, तो उसका विवरण।	
27.	वर्तमान में व्यक्तिगत रूप से और/अथवा ऊपर (21) से (26) में सूचीबद्ध संस्थाओं द्वारा प्राप्त निधि और गैर-निधि आधारित सुविधाओं का विवरण, यदि कोई हो।	
28.	ऐसे मामले, यदि कोई हों, जहां किसी व्यक्ति अथवा ऊपर (21) से (26) में सूचीबद्ध संस्थाओं ने बैंक/एनबीएफसी/किसी अन्य ऋणदाता संस्थान से प्राप्त ऋण सुविधाओं के संबंध में अतीत में चूक की हो अथवा जानबूझकर चूककर्ता घोषित किया हो।	
III. **व्यावसायिक उपलब्धियों के रिकॉर्ड**		
29.	निदेशक पद के लिए प्रासंगिक व्यावसायिक उपलब्धियां।	
IV. **प्रस्तावित निदेशक के विरुद्ध कार्यवाही, यदि कोई हो**		
30.	(a) किसी व्यावसायिक एसोसिएशन/निकाय के सदस्य के रूप में, यदि कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित हो अथवा शुरू हुई हो अथवा अतीत में दोषी पाया गया हो अथवा किसी भी समय किसी पेशे/व्यवसाय में प्रवेश से प्रतिबंधित किया गया हो, तो उसका विवरण।	
	(b) यदि व्यक्ति के व्यावसायिक आचरण अथवा गतिविधियों के संबंध में कोई लिखित शिकायत अथवा आरोप है, तो उसका विवरण।	

क्र सं	विवरण	प्रकट की गई जानकारी
31.	आर्थिक कानूनों और विनियमों के उल्लंघन के लिए स्वयं अथवा ऊपर (21) से (26) में सूचीबद्ध संस्थाओं के विरुद्ध लंबित अथवा शुरू किए गए अथवा परिणामस्वरूप दोषसिद्धि के कारण अभियोजन का विवरण, यदि कोई हो।	
32.	आपराधिक अभियोजन का विवरण, यदि कोई हो, जो लंबित हो अथवा शुरू हुआ हो अथवा जिसके परिणामस्वरूप दोषसिद्धि हुई हो।	
33.	यदि एएमएल/सीएफटी दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया गया है तो उसका विवरण।	
34.	यदि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 के अंतर्गत कोई अयोग्यता लागू होती है, तो उसका विवरण दें।	
35.	यदि दिवालिया घोषित कर दिया गया है अथवा भुगतान निलंबित कर दिया गया है अथवा लेनदारों के साथ समझौता कर लिया है, तो उसका विवरण।	
36.	यदि वह मानसिक रूप से अस्थिर पाया गया है तथा सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसा घोषित किया गया है, तो उसका विवरण।	
37.	(a) यदि किसी आपराधिक न्यायालय द्वारा किसी ऐसे अपराध के लिए दोषसिद्ध किया गया है जिसमें नैतिक अधमता अथवा अन्यथा शामिल है, तो उसका विवरण।	
	(b) यदि किसी न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया हो तो उसका ब्यौरा क्या है?	

क्र सं	विवरण	प्रकट की गई जानकारी
38.	यदि किसी राष्ट्रीयकृत बैंक अथवा भारतीय स्टेट बैंक के अधीन पूर्णकालिक निदेशक के पद को छोड़कर कोई लाभ का पद धारण किया हो, तो उसका ब्यौरा दें।	
39.	यदि किसी व्यक्ति अथवा उपर्युक्त (21) से (26) तक की किसी भी इकाई पर किसी भी पूर्व नियोक्ता अथवा सरकारी विभाग अथवा एजेंसी से कोई जांच/सतर्कता/जांच का मामला आया है, तो उसका ब्यौरा दें।	
40.	यदि सीमा शुल्क/उत्पाद शुल्क/ आयकर/ विदेशी मुद्रा/ अन्य राजस्व प्राधिकारियों द्वारा नियमों/ विनियमों/ विधायी आवश्यकताओं के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, तो उसका विवरण।	
41.	यदि किसी विनियामक जैसे सेबी, आईआरडीएआई, पीएफआरडीए आदि, व्यावसायिक संगठन, सरकारी एजेंसी अथवा न्यायालय द्वारा व्यावसायिक आचरण अथवा गतिविधियों के कारण फटकार, निंदा, प्रतिबंध, निलंबन, निषेध, निषेध या अन्यथा मंजूरी दी गई हो, तो उसका विवरण। (यद्यपि अभ्यर्थी के लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह कॉलम में उन आदेशों और निष्कर्षों के बारे में उल्लेख करे जिन्हें बाद में पूर्णतः उलट दिया गया/रद्द कर दिया गया, लेकिन यदि उलटने/रद्द करने का कारण तकनीकी कारण जैसे सीमा अथवा अधिकार क्षेत्र की कमी है, न कि गुण-दोष के आधार पर, तो उसका उल्लेख करना आवश्यक	

क्र सं	विवरण	प्रकट की गई जानकारी
	होगा। यदि आदेश अस्थायी रूप से स्थगित है और अपीलीय/अदालती कार्यवाही लंबित है, तो उसका भी उल्लेख किया जाना चाहिए।)	
V. सामान्य जानकारी		
42.	यदि आप चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील आदि जैसे पेशेवर हैं और वर्तमान में किसी बैंक में कोई पेशेवर कार्य कर रहे हैं/कर चुके हैं, तो कृपया बैंक का नाम और बैंक के साथ जुड़ाव की अवधि सहित उसका विवरण प्रदान करें।	
43.	यदि आप वर्तमान सांसद/ विधायक/ एमएलसी हैं अथवा नगर निगम अथवा नगर पालिका अथवा अन्य स्थानीय निकायों में राजनीतिक पद पर हैं, तो उसका विवरण प्रदान करें।	
VI. प्रकटीकरण और पारदर्शिता के हित में, यदि 'उपयुक्त और उचित' का आकलन करने के लिए कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी हो, तो उसका विवरण प्रदान करें।		
	<u>वचनपत्र</u>	
मैं पुष्टि करता/करती हूँ कि उपर्युक्त जानकारी मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य एवं पूर्ण है। मैं अपनी नियुक्ति के बाद होने वाली सभी घटनाओं के बारे में, जो ऊपर दी गई जानकारी से प्रासंगिक हैं, बैंक को यथाशीघ्र पूर्ण रूप से सूचित करने का वचन देता/देती हूँ।		
मैं बैंक के साथ अपेक्षित 'प्रसंविदा विलेख' निष्पादित करने का भी वचन देता हूँ।		
	स्थान :	प्रस्तावित निदेशक/एमडी और सीईओ/सीईओ के हस्ताक्षर
	दिनांक :	

क्र सं	विवरण	प्रकट की गई जानकारी
	नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) की टिप्पणी कि वह इस बात से संतुष्ट है कि उपर्युक्त जानकारी सत्य एवं पूर्ण है।	
	स्थान :	एनआरसी के अध्यक्ष के हस्ताक्षर
	दिनांक :	